* ओ३म् *

प्रेमधारा



अर्थात्

सेठ मनोहरलालजी वैश्य की पुत्री के विवाहोत्सव में

प्रियंवदा और यशोदादि सखियों

का

सम्वाद.

जिसको स्त्री जाति के उपकारार्थ

चिम्मनलाल वैश्य

कासगंजनिवासी ने लिखकर मुद्रित कराया

द्वितीयावृत्तिः ११०० } सन् १९१७ { मूल्य ॥=)

रामप्रसाद जैनी के प्रबन्ध से ग्लोबप्रिंटिंगवर्क्स मेरठ में मुद्रित ।